



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 499] नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 7, 1992/अग्रहायण 16, 1914
No. 499] NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 7, 1992/AGRAHAYANA 16, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वस्त्र संश्लेष

आदेश

नई दिल्ली, 7 दिसम्बर, 1992

सा.का.वि. 916(प्र).—केंद्रीय सरकार, आवश्यक वस्तु अधि-
नियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का
प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात् :—

भाग I

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारंभ—इस आदेश का संक्षिप्त
नाम वस्त्र (विकास और विनियमन) आदेश, 1992 है।

(2) इसका विस्तार संपूर्ण भारत पर है।

(3) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा।

2. निरसन और व्यावृत्ति—वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1986 निरसित
किया जाता है :

परन्तु इस प्रकार निरसित आदेश के अधीन किया गया कोई आदेश
जारी की गई अधिसूचना, उद्भूत अधिकार, उपगत शक्ति या को गई

या की गई समझी गई कोई बात, इस आदेश के तत्समान उद्देश्यों के
अधीन किया गया, जारी की गई, उद्भूत या उपगत या की गई समझी
जाएगी।

3. परिभाषाएँ—इस आदेश में, जब तक कि विषय या संदर्भ में
विरुद्ध कोई बात न हो—

(1) “अपील प्राधिकारी” से, राज्य सरकार या संघ राज्य क्षेत्र
प्रशासन का वह अधिकारी जिसके क्षेत्र के भीतर शक्ति-वाहित करवा या
सबु उद्योग क्षेत्र में विद्यमान शक्ति वाहित करवा अवस्थित है और
जो इस रूप में अधिसूचित किया गया है, और अन्य मामलों की बाबत,
वह प्रावृत्त अभिप्रेत है;

(2) पर “किसी वस्तु का कब्जा” किसी व्यक्ति के कब्जे में तब
समझा जाएगा जब वह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उस व्यक्ति की ओर
से धारित किया जाता है या जब वह उस व्यक्ति द्वारा अन्य व्यक्ति की ओर
से धारित किया जाता है;

(3) “प्रमाणपत्र” से, इस आदेश के अधीन दिया गया रजिस्ट्रीकरण
प्रमाणपत्र अभिप्रेत है;

(4) "नगर" से किसी मण्डलान्तिका प्राधिकरण (चाहे उसका नाम जो भी हो) की मानक नगरीय श्रेणी गीमा अभिप्रेत है जिसकी जनगणना भारतीय जनगणना, 1991 में यथा अवधारित दस लाख से अधिक है;

(5) "कपड़ा" से ऐसा कोई फैब्रिक अभिप्रेत है जो समान रूप से या मुख्य रूप से प्राकृतिक रेशम, कपास, ऊन या कृत्रिम रेशे (अविच्छिन्न), कृत्रिम रेशे (विच्छिन्न) धातियों या इन सामग्रियों में से किसी से या उसके समान सम्मिश्रण के किसी मुख्य भाग से बना हो किन्तु इसके अन्तर्गत निम्नलिखित वस्तुएँ नहीं आती हैं, अर्थात्—

- (क) होज पाइप,
- (ख) चमड़े के कपड़े, निम्नकोटि के या तकली चमड़े के कपड़े जिनका सामान्यतया जिल्दसाजी या जिल्दसाजी का कपड़ा बनाने में प्रयोग किया जाता है,
- (ग) निमित्त कपड़े,
- (घ) मश्रूमली कपड़ा, जिसके विनिर्माण में किसी कने हुए सूती फिलामेंट का प्रयोग किया जाता है;
- (ङ) रबड़ीकृत या संश्लिष्ट जलरोधी फैब्रिक चाहे वह इकट्ठा संश्लिष्ट किया हुआ/या दोहरा संश्लिष्ट किया हुआ है;
- (च) धनुषखण कागज ;
- (छ) चूड़ा,
- (ज) कृत्रिम फाइबर.

(6) "नियंत्रित कपड़ा" से ऐसी किसी किरम, वर्ग या विनिर्देश का कपड़ा अभिप्रेत है जिसके लिए अधिकतम कीमत या वह सिद्धांत जिस पर या वह रीति जिसमें अधिकतम कीमत विनिर्दिष्टा द्वारा उस प्रकार नियत की जाएगी ऐसी खड्डा 8 के प्रवीन वक्ष आयुक्त द्वारा विनिर्दिष्ट है;

(7) "कपास का सूत" या "सूती कपड़ा" से रेशम सूत और रेशम कपड़ा से भिन्न ऐसा कोई सूत या कपड़ा अभिप्रेत है जिसमें कपास भार के आधार पर समान या अत्यधिक मात्रा में है,

(8) "प्ररूप" से इस धादेन से संलग्न प्ररूप अभिप्रेत है;

(9) "बुनाई मशीन" से, तागा-बुनाई मशीन अभिप्रेत है और इसमें वह मशीन भी सम्मिलित है जो सामान्यतः रन्चल बुनाई मशीन के नाम से जानी जाती है,।

(10) "लेस निर्माण मशीन" से मशिनवातिन ऐसी मशीन अभिप्रेत है जो धागों को धार-धार कर गुंथकर यानी खुली जानी या आव के फैब्रिको के उत्पादन के लिए है;

(11) "कृत्रिम रेशों के सूत" और "कृत्रिम रेशों का कपड़ा" से रेशम, कपास या ऊनी सूत और कपड़ा से भिन्न सूत और कपड़ा अभिप्रेत है,

(12) "विनिर्माता" के अन्तर्गत, उत्पादक या प्रसंस्करणकर्ता जिसके अन्तर्गत इस प्रसंस्करणकर्ता भी है, या दोनों आते हैं और "विनिर्माता" पद और उसके ध्याकरणिक रूपभेदों का तदनुसार अर्थ लगाया जाएगा;

(13) "विषय के लिए प्रत्यपना" पद में किसी व्यक्ति द्वारा किसी वस्तु के विषय के लिए उसके द्वारा प्रस्थापित कीमत की सूचना के प्रति किसी निवेश को सम्मिलित समझा जाएगा जो किसी भी प्रकार की कोटेशन प्रस्तुत करके या अन्यथा कीमत उपदर्शित करने वाले चिह्न के साथ वस्तु को विषय के लिए प्रस्तुत करके कीमत-सूची के प्रकाशन द्वारा किया जाए;

(14) "अन्य वक्ष उत्पादों" से सभी वक्ष उत्पाद अभिप्रेत है जिनके अन्तर्गत वक्ष फाइबर और फिलामेंट सूत हैं किन्तु जिसके अन्तर्गत कपड़ा, सूत और फाइबर नहीं हैं;

(15) "धनुषा" से इस धादेन से कृत्रीन प्ररूप कपड़ा अभिप्रेत है,

(16) "व्यक्ति" में निम्नलिखित सम्मिलित हैं—

- (i) व्यक्तियों का संघ या व्यक्तियों का निकाय, चाहे वे नियमित हों या नहीं;
- (ii) कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) में यथा परिभाषित कंपनी,
- (iii) फर्म/व्योहारी/विनिर्माता/प्रसंस्करणकर्ता/उत्पादक;
- (iv) अधिभक्त हिन्दू कुटुम्ब,
- (v) प्रत्येक कृत्रिम विधिक व्यक्ति जो पूर्ववर्ती किसी पद के अन्तर्गत नहीं आता है;

(17) "शक्ति" का बड़ी अर्थ होगा जो उसका कारखाना अधिनियम, 1948 (1948 का 63) की धारा 2 के खंड (छ) में है;

(18) "शक्तिचालित करघा" से ऐसा करघा अभिप्रेत है जो शक्ति से चलता है और जिसका प्रयोग कपड़ा बुनने के लिए किया जाता है या किया जा सकता है;

(19) "प्रसंस्करणकर्ता" में, उत्पादक से भिन्न वह व्यक्ति अभिप्रेत है जो कपड़े या सूत के उत्पादन के बाद धनुषी प्रक्रिया में, उदाहरणार्थ संश्लिष्टन, वेस्टन, कुंठन, आभावन, झुलसाना, आबलन, अभिमाज्जन, रंगाई, बिरशन, मसरीकरण कमीदाकारी, छार्ड, उटार्ड, कपड़ा समुद्रण या फिनिशिंग में किसी उपस्कर पर लगे हैं और "प्रसंस्करण" पर और उसके ध्याकरणिक रूपभेदों के तदनुसार अर्थ लगाया जाएगा;

(20) "उत्पादक" से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सब (14) में यथा परिभाषित सूत या कपड़ा या अन्य वक्ष उत्पादों की मूल्य वृद्धि के उत्पादन में लगा हुआ है और "उत्पाद" पद और, उसके ध्याकरणिक रूपभेदों का तदनुसार अर्थ लगाया जाएगा,

(21) "रेशमी सूत" या "रेशमी कपड़ा" से ऐसा सूत या कपड़ा अभिप्रेत है जिसमें भार या मूल्य के आधार पर प्राकृतिक रेशम समान या अत्यधिक है यदि प्राकृतिक रेशम का भार किसी ग्रुप फाइबर के साथ समान या अत्यधिक है;

(22) "कताई मशीन" से चक्रीय अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत सकुआ, धूणक या कोई अन्य युक्ति है जो शक्ति द्वारा चलाई जाती है और जिसका प्रयोग सूत के उत्पादन में किया जाता है।

(23) "वक्ष आयुक्त" से ऐसा वक्ष आयुक्त अभिप्रेत है जो केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त किया गया हो और इसके अन्तर्गत कोई अपर वक्ष आयुक्त या संयुक्त वक्ष आयुक्त भी आता है जो केन्द्रीय सरकार द्वारा वक्ष आयुक्त के कार्यालय में नियुक्त किया गया हो,

(24) "ऊत" के अन्तर्गत पशुओं के बाल भी आते हैं;

(25) "चूड़ा" से ऊत चूड़ा/कृत्रिम फाइबर/चूड़ा अभिप्रेत है जिसका प्रयोग बस्टेड पद्धति पर सूत की कताई के लिए किया जाता है,

(26) "ऊत, सूत" या "ऊत कपड़ा" से रेशमी सूत और रेशमी कपड़ा या कराम सूत और कपड़ा कपड़ा से भिन्न ऐसा सूत या कपड़ा अभिप्रेत है जिसमें भार के आधार पर ऊत समान या अत्यधिक है और इसके अन्तर्गत कपड़ा या गारनेट किट हुए चिपडो से विनिर्मित सूत अभिप्रेत है;

(27) "सूत" से इसके ध्याकरणिक रूपभेदों के अन्तर्गत ऐसा सूत अभिप्रेत है जो समान रूप से या गुंथन, प्राकृतिक रेशम, कपास, ऊन, कृत्रिम रेशों (अविच्छिन्न), कृत्रिम रेशों (विच्छिन्न) या इन सामग्रियों में से किसी के प्राश्लिष्ट से या उसके समान या अत्यधिक सम्मिश्रण से विनिर्मित किया जाता है।

भाग-3

फनाई मशीन, बुनाई मशीन या लेस निर्माण मशीन

4 (1) प्रत्येक व्यक्ति फनाई मशीन, बुनाई मशीन या लेस निर्माण मशीन स्थापित करने के लिए किसी केन्द्रीय या राज्य विधि के उपबंधों के अधीन रहते हुए इस अध्यादेश से सम्बन्धित प्रकरण 1 में यथा वर्णित सूचना ज्ञापन बरतन आयुक्त, राज्य सरकार गम्भीरता का प्रस्तुत करेगा।

परन्तु इस आदेश के साथ यह कि गैर लघु औद्योगिक एककों की दशा में जहाँ अवस्थान, 1991 की जनगणना के अनुसार 10 लाख या उससे अधिक की जनसंख्या वाले किसी नगर को मानक नगर क्षेत्र सीमाओं की परिधि में 25 किलोमीटर के भीतर है और यदि ऐसे एकको को राज्य सरकार द्वारा 24 जुलाई, 1991 के पूर्व 'औद्योगिक क्षेत्र' के रूप में अभिहित क्षेत्रों के भीतर अवस्थित नहीं किया गया है और परियोजना उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) के अन्तर्गत नहीं आता है तो ऐसा नगरीय या संस्थापन उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) के उपबंधों के अनुसार विनियमित होगा।

(2) सूचना ज्ञापन स्थापन के 10 दिनों के भीतर बरतन आयुक्त को दिया जाएगा।

(3) सूचना ज्ञापन के साथ बरतन आयुक्त के नाम से एक हजार रुपये का एक बैंक मांग वसूल जॉन मुम्बई में देय होता, सदन किया जाएगा। इस प्रकार सदत फीस तपिस नहीं का जाएगा और अनुसंधान और विकास या नतीजों के प्रकाशन के लिए प्रयोग में लाई जाने वाली फनाई मशीन, बुनाई मशीन या लेस निर्माण मशीन के संस्थापन के लिए किसी सूचना ज्ञापन का दशा में कोई फीस प्रभावित नहीं की जाएगी।

(4) सूचना ज्ञापन प्राप्त होने पर बरतन आयुक्त 10 दिनों के भीतर इस आदेश से सम्बन्धित प्रकरण 2 में यथा वर्णित अभिस्वीकृति जारी करेगा।

(5) इस खंड की फनाई बात किसी अनुसूचित के अनुमरण में फनाई मशीन के स्थापन को बहा लागू नहीं होगा जहाँ ऐसी अनुसूचित उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) के उपबंधों के अधीन शामिल हो।

5 ऐसा प्रत्येक व्यक्ति, जो सम्पादित किया व फाई मशीन, बुनाई मशीन या लेस निर्माण मशीन का किसी व्यक्ति को विक्रय करेगा या अवस्था उसका व्ययन करेगा या फनाई मशीन के अवस्थान का परिवर्तन करेगा वह ऐसे विक्रय या व्ययन या अवस्थान के परिवर्तन का तारीख से तीस दिन के भीतर, यथास्थिति, ऐसे विक्रय या व्ययन या अवस्थान के परिवर्तन के तार में बरतन आयुक्त को सूचित करेगा।

परन्तु गैर लघु औद्योगिक एककों की दशा में जहाँ अवस्थान किसी ऐसे नगर की जिसकी जनसंख्या 1991 की जनगणना के अनुसार दस लाख या अधिक है, मानक क्षेत्रीय सीमाओं की परिधि से 25 किलोमीटर के भीतर है,

परन्तु यह आर कि यदि ये एकक राज्य सरकार द्वारा 24 जुलाई 1991 के पूर्व 'औद्योगिक क्षेत्र' के रूप में अभिहित क्षेत्रों के भीतर अवस्थित नहीं है और परियोजना उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) के अन्तर्गत आती है तो ऐसा मशीनों या संस्थापन उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) के अनुसार विनियमित होगा।

भाग-3

शक्तिशालित करण:

6 (1) शक्तिशालित करण मशीन संस्थापित करने पर प्रत्येक व्यक्ति किसी केन्द्रीय या राज्य विधि के उपबंधों के अधीन रहते हुए

ऐसी राज्य सरकार की त्रिज्या क्षेत्र में शक्तिशालित करण संस्थापित किया गया है सूचना ज्ञापन प्रस्तुत करेगा और उसकी प्रति बरतन आयुक्त, भारत सरकार मुम्बई को देगा।

परन्तु गैर लघु औद्योगिक एककों की दशा में जहाँ नगर की जिसकी जनसंख्या 1991 की जनगणना के अनुसार 10 लाख या उससे अधिक है, मानक क्षेत्रीय सीमाओं की परिधि से 25 किलोमीटर के भीतर है और यदि ये एकक राज्य सरकार द्वारा 24 जुलाई, 1991 के पूर्व 'औद्योगिक क्षेत्र' के रूप में अभिहित क्षेत्रों के भीतर अवस्थित नहीं है और परियोजना उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) के अन्तर्गत आती है तो ऐसा मशीनों या संस्थापन उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) के अनुसार विनियमित होगा।

(2) इस आदेश से सम्बन्धित प्रकरण 1 में यथा वर्णित सूचना ज्ञापन तत्काल के 30 दिनों के भीतर उस राज्य सरकार को दिया जाएगा जिसके क्षेत्र में शक्तिशालित करण संस्थापित किया गया है और उसकी प्रति बरतन आयुक्त, भारत सरकार, मुम्बई को दी जाएगी।

(3) सूचना ज्ञापन के साथ राज्य/नगर क्षेत्र प्राधिकरण जिसके क्षेत्र में शक्तिशालित करण संस्थापित किया गया है, नाम से देय शक्तिशालित करण के लिए केवल एक हजार रुपये का बैंक मांग देय ड्राफ्ट सदन किया जाएगा। इस प्रकार मशीन फीस वापिस नहीं की जाएगी और अनुसंधान और विकास के प्रकाशन के लिए प्रयोग में लाई जाने वाली शक्तिशालित करण मशीन के संस्थापन के लिए किसी सूचना ज्ञापन की दशा में कोई फीस प्रभावित नहीं की जाएगी।

(4) राज्य सरकार, विहित प्रकरण में सूचना ज्ञापन प्राप्त हो जाने पर, इस आदेश से सम्बन्धित प्रकरण 2 में यथा वर्णित एक अभिस्वीकृति जारी करेगी।

7 (1) ऐसा प्रत्येक व्यक्ति, जो किसी संपादित शक्तिशालित करण किसी व्यक्ति को विक्रय करेगा या अवस्था उसका व्ययन करेगा या किसी शक्तिशालित करण के अवस्थान का परिवर्तन करेगा वह यथास्थिति, ऐसे विक्रय या व्ययन या अवस्थान के परिवर्तन का तारीख से तीस दिन के भीतर राज्य सरकार को और बरतन आयुक्त को भी सूचना देगा।

परन्तु गैर लघु औद्योगिक एककों की दशा में जहाँ नगर परगना किसी ऐसे नगर की जिसकी जनसंख्या 1951 की जनगणना के अनुसार दस लाख या उससे अधिक है, मानक क्षेत्रीय सीमाओं की परिधि से 25 किलोमीटर के भीतर है और यदि ये एकक राज्य सरकार द्वारा 24 जुलाई, 1991 के पूर्व 'औद्योगिक क्षेत्र' के रूप में अभिहित क्षेत्रों के भीतर अवस्थित नहीं है और परियोजना उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) के अन्तर्गत आती है तो ऐसी, मशीनों या संस्थापन उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) के अनुसार विनियमित होगा।

(2) विक्रय या व्ययन की दशा में सूचना देने के लिए कोई फीस उद्गृहीत नहीं की जाएगी।

(3) सूचना देने का उत्तरदायित्व अधिकतर नगर प्राधिकरण, वहाँ पर होगा।

भाग-4

प्रकीर्ण:

8 (1) बरतन आयुक्त, समय-समय पर विनियमित के शारे में किसी विनिर्माता या विनिर्माताओं के वर्ग में साधारण तथा विनिर्माताओं के लिए विहित निर्देश जारी कर सकेगा --

(1) ऐसे कण्डे या ऊनी यन्त्रों के वर्गों या विनिर्देश, जिन्हें प्रत्येक विनिर्माता या विनिर्माताओं के वर्गों विनिर्देशित करेगा या विनिर्देशित नहीं करेगा।

(ब) ऐसे सूती और ऊनी वस्त्रों की अधिकतम या न्यूनतम मात्रा जिन्हें ऐसा विनिर्माता या विनिर्माताओं के वर्ग ऐसी प्रवधि के दौरान भी प्रविष्ट में विनिर्दिष्ट की जाए, विनिर्दिष्ट करेंगे।

(ग) कारखाना द्वारा, थोक या फुटकर की अधिकतम कीमत जिस पर किसी वर्ग या विनिर्देश के सूती और ऊनी वस्त्रों का विक्रय किया जा सकेगा; या

(घ) ऐसे सिद्धांत जिन पर और वह रीति जिसमें ऐसी अधिकतम कीमत विनिर्माता द्वारा व्यवहारित की जाएगी;

वरन्तु यह कि इस खंड के अधीन कोई निदेश जारी करने में वस्तु आयुक्त निम्नलिखित बातों का ध्यान रखेगा :—

- (i) सूती और ऊनी वस्त्रों की मात्रा;
- (ii) जन साधारण की आवश्यकताएं;
- (iii) ऐसे सूती और ऊनी वस्त्रों के लिए उद्योग की विशेष अपेक्षाएं
- (iv) सूती और ऊनी वस्त्रों के विनिर्माण करने की विनिर्माता या विनिर्माताओं के वर्ग की क्षमता; और
- (v) सूती और ऊनी वस्त्रों की जनसाधारण के लिए उपलब्ध कराने की आवश्यकता।

(2) उप खंड (1) के अधीन किसी निदेश की जारी करते समय वस्तु आयुक्त यह भी उपबंध कर सकेगा कि ऐसा निदेश साधारणतया विदेश में विनिर्दिष्ट प्रवधि के दौरान सूती और ऊनी वस्त्रों की मात्रा के संबंध में होगा।

(3) जब किसी विनिर्माता या विनिर्माताओं के वर्ग द्वारा किए गए आयात से या अन्यथा वस्तु आयुक्त का यह समाधान हो जाता है कि इस खंड के अधीन, उसके द्वारा जारी किए गए किसी निदेश से किसी विनिर्माता या विनिर्माताओं के वर्ग की प्रसम्पत् कपड़े या कठिनाई कारित होती है तो वह आदेश द्वारा लेखबद्ध किए जाने वाले कारणों से, यह निदेश दे सकेगा कि ऐसे विनिर्माता या विनिर्माताओं के वर्ग को यह निदेश लागू नहीं होने या ऐसे उपकरण के प्रयोग को लागू होने जैसे कि इस आदेश में विनिर्दिष्ट किए जाएं।

9. (1) वस्तु आयुक्त विनिर्माता द्वारा बनाए गए चिन्हों या उसके द्वारा निर्मित या चिह्नित सूती और ऊनी वस्त्रों के विनिर्देश और ऐसे चिन्ह को बनाने का समय और रीति, को विनिर्दिष्ट करेगा।

(2) सम्बन्धी, चौड़ाई, गणना या भार के संबंध में इस खंड के अधीन वस्तु आयुक्त द्वारा विनिर्दिष्ट प्रत्येक चिन्हांकन व्यापार और वस्तु चिन्ह अधिनियम, 1958 (1958 का 43) की धारा 95 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए उस समय प्रवृत्त अनुदेशों में सम्बन्धित रूपरेखा की सुसंगत सीमाओं के अधीन होगा।

(3) जहाँ इस खंड के अधीन किसी सूती और ऊनी वस्त्रों की बाबत किए जाने वाले चिन्हांकन और चिन्हांकन का समय और रीति विनिर्दिष्ट की गई है वहाँ, :-

- (क) सूती और ऊनी वस्त्रों का विनिर्माता, ऐसे सूती और ऊनी वस्त्रों पर विनिर्दिष्ट समय और रीति में, उस पर किए जाने वाले चिन्हांकन कारित करेगा;
- (ख) ऐसे विनिर्माता से भिन्न कोई व्यक्ति ऐसे किसी सूती और ऊनी वस्त्रों पर किया जाने वाला चिन्हांकन कारित नहीं करेगा;
- (ग) ऐसे विनिर्माता से भिन्न कोई व्यक्ति ऐसा कोई सूती और ऊनी वस्त्रों को जो इस प्रकार चिन्हांकित नहीं है अपने कच्चे या नियंत्रण में नहीं रखेगा जब तक कि यह उसकी वास्तविक व्यक्तिगत आवश्यकता के लिए न हो।

(घ) कोई भी व्यक्ति ऐसे सूती और ऊनी वस्त्रों पर, जो उनके द्वारा अपनी वास्तविक व्यक्तिगत आवश्यकताओं से प्रयुक्त धारित है, लगे किसी चिन्हांकन में कोई परिवर्तन नहीं करेगा या उसे निकाल नहीं करेगा अथवा उसमें कोई परिवर्तन या उसका विरूपण नहीं होने देगा या करने देगा।

(ङ) कोई भी व्यक्ति ऐसे किसी सूती और ऊनी वस्त्रों पर, विनिर्दिष्ट चिन्हांकनों से भिन्नता हुआ कोई चिन्हांकन न करेगा।

(च) कोई भी व्यक्ति अपने कच्चे या नियंत्रण में, अपनी वास्तविक व्यक्तिगत आवश्यकताओं से प्रयुक्त ऐसा कोई सूती और ऊनी वस्त्र नहीं रखेगा जिन पर जो चिन्हांकन में कोई परिवर्तन या उसका विरूपण किया गया है।

(4) जहाँ उपखंड (1) के प्रवृत्त में ऐसे किसी कच्चे के किसी भाग के एक किनारे पर चिन्हांकन किया जाता प्रवेक्षित हो, तो उक्त चिन्हांकन वाले टुकड़े के उस भाग को कपड़े के उक्त भाग से किसी भी समय जब तक काटा या भंग नहीं किया जाएगा जब तक कि उक्त चिन्हांकन वाले उक्त भाग से भिन्न भाग के कपड़े का विक्रय नहीं हो जाता।

10. (1) वस्तु आयुक्त सूती या ऊनी वस्त्रों का उचित वितरण कराने की दृष्टि में और इस आदेश के उपायों का अनुपालन कराने की दृष्टि से किसी विनिर्माता या विनिर्माताओं के वर्ग की,—

(क) सूती और ऊनी वस्त्रों की विनिर्दिष्ट मात्रा का विनिर्दिष्ट व्यक्तियों को विक्रय या परिदत्त करने;

(ख) विनिर्दिष्ट वर्णन के सूती और ऊनी वस्त्रों को विनिर्दिष्ट व्यक्तियों को छोड़कर और ऐसी गतों के अधीन रहते हुए जो वस्तु आयुक्त निदेश में विनिर्दिष्ट करें विक्रय या उसको परिदत्त न करने का निदेश दे सकेगा।

(2) जहाँ उपखंड (1) के अधीन कोई निदेश जारी किया जाता है वहाँ विनिर्माता या विनिर्माताओं का वर्ग ऐसे निदेशों का अनुपालन करेगा।

(3) उपखंड (1) के अधीन निदेश जारी करते समय, वस्तु आयुक्त निम्नलिखित बातों का ध्यान में रखेगा, अर्थात :—

- (i) उपखंड (1) में विनिर्दिष्ट विभिन्न प्रवर्गों के व्यक्तियों की आवश्यकताएं;
- (ii) विभिन्न वर्णन के सूती और ऊनी वस्त्रों की उपलब्धता; और
- (iii) किसी स्थानीय क्षेत्र की आवश्यकताएं।

11. कोई भी विनिर्माता खंड 8 के अधीन इस विनिर्दिष्ट या नियत अधिकतम मूल्य कीमत पर किसी कपड़े या सूत और अन्य वस्तु उत्पादों का विक्रय नहीं करेगा या विक्रय की प्रस्थापना नहीं करेगा।

12. सूत या कपड़े या अन्य वस्तु उत्पादों का प्रत्येक विनिर्माता ऐसा लेखा बहिया और अपने कारखाने से संबंधित अन्य अभिलेख बनाए रखेगा और ऐसी विवरणी या जानकारी उसने अंतराल पर प्रस्तुत करेगा जो वस्तु आयुक्त द्वारा अपेक्षित हो।

13. (1) वस्तु आयुक्त, इस आदेश का अनुपालन सुनिश्चित कराने के लिए—

(क) किसी व्यक्ति से उसके कच्चे में की ऐसी जानकारी देने की अपेक्षा कर सकेगा जो उस व्यक्ति द्वारा या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा किए जा रहे कारखाने से संबंधित है;

(ख) किसी व्यक्ति से, लिखित रूप में किसी ऐसी वस्तु के नमूने प्रस्तुत करने की अपेक्षा कर सकेगा जिससे यह आदेश लागू होता है ;

(ग) किसी व्यक्ति की या उसके नियंत्रण के अधीन लेखा बहियों या अन्य दस्तावेजों का निरीक्षण कर सकेगा या करवा सकेगा ;

(घ) किसी परिसर में प्रवेश और उसकी तलाशी कर सकेगा या किसी व्यक्ति को प्रवेश करने और उसकी तलाशी करने के लिए प्राधिकृत कर सकेगा और ऐसी किसी वस्तु को अभिगृहीत कर सकेगा जिसके बारे में उसे यह विश्वास करने का कारण है कि इस आदेश का उल्लंघन हुआ है या परिसर में किसी अन्य वस्तु को भी जिसके बारे में उसे यह विश्वास करने का कारण है कि ऐसे परिसर का उपयोग ऐसे उल्लंघन में किया गया है या किए जाने के लिए आशयित है ।

(2) ऐसा प्रत्येक व्यक्ति जिससे उपखंड (1) के अधीन कोई जानकारी देने या नमूना प्रस्तुत करने या कोई लेखा बहिया या अन्य दस्तावेज पेश करने की अपेक्षा की गई है ऐसे अपेक्षा का पालन करेगा ।

(3) तलाशी और अभिगृहण से संबंधित दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 102 और 103 के उपबंध, तथा खंड के अधीन तलाशी और अभिगृहण को लागू होंगे ।

14. (1) ऐसा प्रत्येक विनिर्माता जिसके पास अपने एकक के आधुनिकीकरण का कार्यक्रम है, ऐसे कार्यक्रम की अंतिम रूप दिये जाने पर ऐसा कार्यक्रम के बारे में सूचना तुरन्त वस्त्र आयुक्त को प्रस्तुत करेगा और कार्यक्रम के पूर्ण हो जाने पर इस आदेश से संलग्न प्ररूप 3 में यथा वर्णित एक सूचना ज्ञापन प्रस्तुत करेगा ।

(2) ऐसे सूचना ज्ञापन के साथ कोई फीस संलग्न किए जाने की आवश्यकता नहीं है ।

15. प्रसस्करण क्रियाकलाप प्रारंभ होने के समय प्रत्येक प्रसस्करणकर्ता इस आदेश से संलग्न प्ररूप 1 में यथावर्णित सूचना ज्ञापन वस्त्र आयुक्त को प्रस्तुत करेगा । ऐसे सूचना ज्ञापन के साथ कोई फीस संलग्न किए जाने की आवश्यकता नहीं है ।

16. मशीनरी का प्रत्येक विनिर्माता विनिर्माण क्रियाकलाप के समय इस आदेश से संलग्न प्ररूप 1 में यथावर्णित सूचना ज्ञापन वस्त्र आयुक्त को प्रस्तुत करेगा । ऐसे सूचना ज्ञापन के साथ कोई फीस संलग्न किए जाने की आवश्यकता नहीं है ।

17. वाणिज्यिक उत्पादन प्रारंभ करने वाले "नूडा" का प्रत्येक विनिर्माता इस आदेश से संलग्न प्ररूप 1 में यथा वर्णित सूचना ज्ञापन वस्त्र आयुक्त को प्रस्तुत करेगा जिसमें उत्पादन कार्यक्रम के व्यय दिए जाएंगे । ऐसे सूचना ज्ञापन के साथ कोई फीस संलग्न नहीं की जाएगी ।

18. खंड 15, 16 और 17 की कोई बात उद्योग (विकास और विनियमन अधिनियम 1951 (1951 का 65) के अधीन जारी की गई अनुज्ञप्ति के अंतर्गत आने वाले क्रियाकलापों को लागू नहीं होगी ।

19. (1) इस आदेश के उपबंधों के प्रवर्तन के प्रयोजन के लिए वस्त्र आयुक्त निम्नलिखित के भारसाधक अधिकारियों को निर्देश दे सकेगा :—

(i) वस्त्र और कपड़ा मुख्य निरीक्षणालय कानपुर की प्रयोगशालाएं, या

(ii) भंडार महानिरीक्षणालय कलकत्ता, भुवनेश्वर, नई दिल्ली या मद्रास की प्रयोगशालाएं; या

(iii) वस्त्र आयुक्त द्वारा यथाविनिर्दिष्ट किसी कच्चे या सूती की बाबत परीक्षणों को करने या करवाने के लिए टेक्सटाईल समिति अधिनियम 1963 (1963 का 41) के अधीन गठित टेक्सटाईल समिति द्वारा स्थापित कोई प्रयोगशाला ।

(2) जहाँ उप खंड (i) के अधीन कोई निर्देश जारी किया जाता है वहाँ प्रयोगशाला का भारसाधक अधिकारी वस्त्र आयुक्त की अपने हस्ताक्षर से इस प्रकार किए गए किसी परीक्षण का बाबत रिपोर्ट करेगा और ऐसी किसी रिपोर्ट का इस आदेश के किसी उपबंध के उल्लंघन के लिए किसी दिव्य के रूप में उपयोग किया जा सकेगा ।

20. (1) वस्त्र आयुक्त सूत या कपड़ा या दोनों का प्रति को बनाए रखने और बढ़ाने के विचार से किसी व्यक्ति को अपने कारखाने या उसके किसी भाग का खोलकर हटाने या कारखाने की मशीनरी को अच्छे हालत में बनाए रखने के लिए रखे गए किसी फालतू पुर्जों को अपने कारखाने से हटाने से प्रतिषिद्ध करते हुए निर्देश जारी कर सकेगा और जहाँ ऐसे निर्देश जारी किये जाते हैं वहाँ ऐसे व्यक्ति जिसे वे जारी किए जाते हैं उनका अनुपालन करेगा ।

(2) उप खंड (1) के अधीन निर्देश जारी करते समय वस्त्र आयुक्त निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखेगा :—

(i) देश में उपलब्ध कपड़े और सूत की पूर्ति और उसके लिए मांग ;

(ii) कारखाने के वित्तीय और अन्य स्रोत ;

(iii) यह अवधारित करने के प्रयोजन के लिए कि कारखाने को खोलकर हटाना या हटाने से लोकहित के लिए हानिकार होने की संभावना है, कोई अन्य सुसंगत परिस्थितियां ।

स्पष्टीकरण:— इस खंड में निम्नलिखित शब्दों का निम्नलिखित अर्थ होगा:—

(क) "किसी कारखाने को खोलकर हटाने से" कारखाने को मशीनरी या मशीनरी के पुर्जों को उनके अपने स्वयं से हटाना अभिप्रेत है जिससे कारखाने का इस प्रकार हटाया जाना इतने प्रयोजन के लिए पूर्णतः या भागतः अनुपयुक्त हो जाता है किन्तु इसके अंतर्गत मशीनरी या उसके पुर्जों का समायोजन करने, सफाई करने और मरम्मत करने के प्रयोजन के लिए उनकी अस्थायी रूप से हटाना नहीं है ;

(ख) "कारखाने" से कारखाना अधिनियम, 1948 (1948 का 63) की धारा 2 के खंड (ड) में यथापरिभाषित कोई कारखाना अभिप्रेत है ;

(ग) "मशीनरी" शब्द का जो भी अर्थ है जो उद्योग कारखाना अधिनियम, 1948 (1948 का 63) के खंड (ग) में है ।

भाग - 5

प्रक्रिया और शक्ति

21. (1) केन्द्रीय सरकार, लिखित रूप में किसी साधारण या विशेष आदेश द्वारा केन्द्रीय सरकार के किसी अधिकारी को इस आदेश के अधीन सभी या किन्हीं शक्तियों को प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत कर सकेगी ।

(2) राज्य सरकार, लिखित रूप में किसी साधारण या विशेष आदेश द्वारा राज्य सरकार के किसी अधिकारी को इस आदेश के अधीन उसकी सभी शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत कर सकेगी ।

22. (1) ऐसा अधिकारी जिसे केन्द्रीय सरकार द्वारा उसको प्रत्यापणित शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत किया गया है, इस आदेश के प्रयोजनों के लिए वस्त्र आयुक्त का अधीनस्थ होगा और ऐसे अधिकारी द्वारा पारित किसी आदेशों के विरुद्ध कोई अपील ऐसे अधिकारी द्वारा पारित आदेश की सूचना के तीस दिन के भीतर किसी व्यक्ति द्वारा वस्त्र आयुक्त को की जाएगी ।

(२) मयंकु मीन नगिनर

(i) देश .

(ii) अवधि .

(iii) अन्य

(iv) पोल [(i) + (ii) + (iii) + (iv) + (v)]

9. नियोजन का ध्यान (सभी आंकड़े संख्या में)

(i) पर्यवेक्षण .

पुरुष महिलाएं कुल

(ii) गैर-पर्यवेक्षणीय .

पुरुष

पुरुष महिलाएं कुल

प्रकृषण

पुरुष महिलाएं कुल

10. क्या यह विदेशी सहयोग/रेखाचित्र और डिजाइन, यदि कोई हो, के आयात से लगाया गया है :

1. हाँ

2. नहीं

(क) यदि हाँ तो विदेशी सहयोगी के नाम, सहयोग की अवधि, मापदण्ड वृत्ति आदि के बारे में पृथक पत्र पर ध्यान संलग्न करें।

11. कोई अन्य सुगम जानकारी .

मै/हम घोषणा करता हैं/करते हैं कि यह सूचना आपन वस्त्र (विकास और विनियमन) आदेश, 1992 के उपबंधों के अनुसार फाइल किया जाता है और इस आपन में दी गई जानकारी मेरे/हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही है और इसमें कुछ भी छिपाया नहीं गया है।

स्थान .

तारीख :

(भावदक के हस्ताक्षर)

पत्र . शमला निम्नलिखित निर्बंधनों में दी जानी चाहिए .

(क) कसौटी, घोषित और बुनाई एक्कों की बाबत, यथास्थिति, तफ़्ती/घुर्णक/करबा बुनाई/लेस निर्माण मशीनों की सं.

(ख) बुने गए कपड़ों के प्रत्येककरण की बाबत मीटरों की सं.

(ग) संयोजन/वेस्टन और आभाषण की बाबत दर्जनों की संख्या और तत्समान स्थिति।

(घ) बुनाई बनाने की बाबत मशीनों की सं. और शमला दर।

(ङ) वस्त्र मशीनरी निर्माण की बाबत प्रति वर्ष एम/सी एम की सं.

(च) अन्य मामलों में टन/कि. या.

प्रत्येक .

अभिस्वीकृति

[खंड 4 (4)/6(3)/7(6)]

सं

तारीख

..... में अब स्थित के विनिर्माण के लिए के संस्थापित होने पर वस्त्र (विकास और विनियमन) आदेश, 1992 के संबंध में फाइल किए गए सूचना आपन तारीख की प्राप्ति की अभिस्वीकृति दी जाती है।

(प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर)

प्रत्येक 3

मिल के आधुनिकीकरण के कार्यक्रम के बारे में सूचना आपन

(खंड 14)

1. मिल का नाम

2. मिल का नाम

3. मिल का पूरा पता

(i) धौत्र

(ii) तहसील/तालुका

(iii) जिला

(iv) राज्य

(v) पिन कोड

4. विनियम संस्थाओं द्वारा स्वीकृत और संबितरित गण की रकम

विनियम संस्था स्वीकृत संबितरित

(i) आई. डी. बी. आई.

(ii) आई. आर. बी. आई.

(iii) आई. सी. आई. सी. आई.

(iv) अन्य (यदि संदिग्ध न हो)

(v) कुल

5. मिल के आधुनिकीकरण के लिए मशीनरी के क्रय या प्रतिस्थापन के लिए विभागानुसार आवंटित राशि

विभाग

रकम (लाख रुपए में)

क. कनाई

घमनकना

घुनाई

कंकलन

कृष्ण फेस

गति फेम

सूत कसौटी

विभवन

ख. बुनाई

शंकु/सीजू कुंडलन

गर्त कुंडलन

आवलन

अभिमाजोन

करबा शीत

ग. आई प्रसंस्करण

घ. इंजीनियरी और सेवा अनुभाग

तारीख

हस्ताक्षर

स्थान

MINISTRY OF TEXTILES

ORDER

New Delhi, the 7th December, 1992

G.O.R. 916(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order, namely:—

PART I

1. Short title, extent and commencement.—This Order may be called the Textiles (Development and Regulation) Order, 1992.

(2) It extends to the whole of India.

(3) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

2. Repeal and savings.—The Textile (Control) Order, 1986 is hereby repealed:

Provided that any order made, notification issued, right accrued, penalty incurred or anything done or deemed to have been done under the Order so repealed shall be deemed to have been made, issued, accrued, incurred or done under the corresponding provisions of this Order.

3. Definitions.—In this Order, unless there is any thing repugnant in the subject or context—

(1) "appellate authority" means the officer of the State Government or Union territory Administration within whose territory the powerloom or existing powerloom in the Small Scale Industries Sector is located and who is notified as such, and in respect of other matters the Textile Commissioner;

(2) the expression "possession of an article" shall be deemed to be in the possession of a person when it is held on behalf of that person by another person or when it is held by that person on behalf of another person;

(3) "certificate" means the certificate of registration granted under this Order;

(4) "city" means the standard urban area limit of a municipal authority (by whatever name called) with a population of more than ten lakhs as determined in the Census of India, 1991;

(5) "cloth" means any fabric made either equally or predominantly from natural silk, cotton, wool or man-made fibre (continuous, man-made fibre (discontinuous), wastes or any of these materials or any predominant of equal combination thereof, but does not include the following commodities, namely—

(a) hose pipe;

(b) leather cloth, inferior or imitation leather cloth ordinarily used in book-binding or for making book binding cloth;

(c) made-up clothing;

(d) plush cloth, in the manufacture of which any spun yarn filament is used;

(e) rubberised or synthetic water-proof fabric whether single textured or double textured.

(f) tracing paper;

(g) tops;

(h) man-made fibres;

(6) "controlled cloth" means any variety or class or specification of cloth for which the maximum price or the principles on which or the manner in which the maximum price is to be determined by a manufacturer as specified by the Textile Commissioner under clause 3;

(7) "cotton yarn" or "cotton cloth" means any yarn or cloth other than silk yarn and silk cloth where cotton is equal or predominant by weight;

(8) "form" means a Form appended to this Order.

(9) "knitting machine" means a warp-knitting machine and includes a machine commonly known as Raschel knitting machine;

(10) "lace making machine" means a machine worked by power for the production of fabrics of open mesh or net formed by crossing and interviewing threads;

(11) "man-made fibre yarn" and "man-made fibre cloth" means yarn and cloth other than silk, cotton or woollen yarn and cloth;

(12) "manufacturer" includes a producer or processor including the hand processor, or both and the expression "manufacturer" and its grammatical variations shall be construed accordingly;

(13) the expression "offer to sell" shall be deemed to include a reference to an intimation by a person of the price proposed by him for the sale of an article, made by the publication of a price list by exposing the article for sale in association with or bearing a mark indicating price by the furnishing of a quotation or otherwise, howsoever;

(14) "other textile products" means all textile products including textile fibres and filament yarn but excludes cloth, yarn and fibre;

(15) "permit" means the permit granted under this order.

(16) "person" includes—

(i) an association of persons or a body of individuals whether incorporated or not; and

(ii) a company as defined in the Companies Act, 1956 (1 of 1956);

(iii) a firm/dealer/manufacturer/processor/producer;

(iv) a Hindu undivided family;

(v) every artificial juridical person, not falling within any of the preceding items;

(17) "power" has the same meaning as in clause (g) of section 2 of the Factories Act, 1948 (63 of 1948);

(18) "powerloom" means a loom which is worked by power and which is used or may be used for weaving cloth;

(19) "processor" means a person other than a producer engaged in any ancillary process subsequent to the production of cloth or yarn such as texturising, twisting, crimping, winding, sizing, singeing, warping, scouring, dyeing, bleaching, mercersing, embroidering, printing, raising, cloth embossing or finishing, on any equipment and the expression "process" and its grammatical variations shall be construed accordingly;

(20) "producer" means a person engaged in the production of value-addition to yarn or cloth or other textile products as defined in item (14) directly or indirectly and the expression "produce" and its grammatical variations shall be construed accordingly;

(21) "silk yarn" or "silk cloth" means yarn or cloth where natural silk is equal or predominant by weight or value if the weight of natural silk is equal or predominant alongwith any other fibre;

(22) "spinning machine" means ring frame and includes spindles, rotors or any other device worked by power and used for production of yarn;

(23) "Textile Commissioner" means the Textile Commissioner appointed by the Central Government and include any Additional Textile Commissioner or Joint Textile Commissioner appointed by the Central Government in the office of the Textile Commissioner;

PART III

- (24) "wool" includes animal hair ;
- (25) "top" means top from wool/man-made fibres/tow used for spinning yarn on worsted system ;
- (26) "woollen yarn" or "woollen cloth" means yarn or cloth other than silk yarn and silk cloth or cotton yarn and cotton cloth, where wool is equal or predominant by weight, and includes yarn manufactured out of pulled or garnetted rags ;
- (27) "yarn" with its grammatical variations, means yarn manufactured equally or predominantly from natural silk, cotton, wool, man-made fibre (continuous) man-made fibre (discontinuous) or waste of any of these materials, or any equal or predominant combination thereof.

PART II

Spinning Machine, Knitting Machine or Lace making Machine :

4(1) Every person on installing the Spinning Machine, Knitting machine or Lace making machine subject to the provisions of any Central or State law shall submit an Information Memorandum as set out in Form 1 appended with this Order to the Textile Commissioner, Government of India, Bombay :

Provided with this Order that in case of non-Small Scale Industrial Units where the location is within twenty five kilometers from the periphery of the standard urban area limits of a city having a population of ten lacs or above as per 1991 census, and if these Units are not located within the areas designated as "Industrial Areas" by the State Government before July 24, 1991 and the project is covered by Industries (Development Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), then installation of such machines will be regulated as per provisions of the Industries (Development Regulation) Act, 1951 (65 of 1951).

(2) The Information Memorandum shall be made within thirty days of installation to the Textile Commissioner ;

(3) The Information Memorandum shall be accompanied by a Bank Demand Draft for rupees one thousand only payable at Bombay in favour of the Textile Commissioner. The fee so paid shall be non-refundable and no fee shall be charged in the case of any Information Memorandum for installation of spinning machine, knitting machine or lace making machine to be used for the purpose of Research and Development or sampling ;

(4) On receipt of the Information Memorandum the Textile Commissioner shall issue an acknowledgement as set out in Form 2 appended with this Order, within thirty days.

(5) Nothing in this clause shall apply to the installation of a spinning machine in pursuance of a licence where such licence is required under the provisions of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951).

5. Every person who sells or otherwise disposes of any installed spinning machine, knitting machine or lace making machine to any person or changes the location of the spinning machine shall inform the Textile Commissioner about the sale or disposal or the change in the location, as the case may be within thirty days from the date of such sale or disposal or change of location :

Provided that in cases of non-Small Scale Industrial Units where the new location is within twenty five kilometers from the periphery of the standard area limits of a city, having a population of ten lacs or above as per 1991 census

Provided further that if these are not located within the areas designated as 'Industrial Areas' by the State Government before July 24, 1991 and the project is covered by Industries (Development Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) then installation of such machines will be regulated as per Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951).

Powerlooms :

6. (1) Every person on installing the powerlooms machine subject to the provisions of any Central or State law shall submit an Information Memorandum to the State Government under whose territory the powerloom has been installed and copy to Textile Commissioner, Government of India, Bombay :

Provided in case of non-Small Scale Industries Unit where the location is within twenty five kilometers from the periphery of the standard urban area limits of a city having a population of ten lacs or above as per 1991 census; and if these are not located within the areas designated as 'Industrial Areas' by the State Government before July 24, 1991, and the project is covered by Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), then installation of such machines will be regulated as per Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951).

(2) The Information Memorandum as set out in Form 1 appended with this Order shall be made within thirty days of installation to the State Government under whose territory the powerloom has been installed and copy to Textile Commissioner, Government of India, Bombay.

(3) The Information Memorandum shall be accompanied by a Bank Demand draft for rupees one thousand only for the fee in favour of State/Union territory or city under whose territory the powerloom had been installed. The fee so paid shall be non-refundable and no fee shall be charged in the case of any Information Memorandum for installation of powerloom machine to be used for the purpose of Research and Development or sampling.

(4) On receipt of the Information Memorandum in prescribed form, the State Government shall issue an acknowledgement as set out in Form 2 appended with this Order.

7. (1) Every person, who sells or otherwise disposes of any installed powerloom to any person or changes the location of any powerlooms subject to the prevalent Central or State law, shall inform about it to the State Government and also to the Textile Commissioner within thirty days from the date of such sale or disposal or change of location, as the case may be

Provided that in the case of non-Small Scale Industries Units, where the new location is within twenty five kilometers from the periphery of the standard area limits of a city having a population of ten lacs or above as per 1991 census, and if there are located within the areas designated as 'Industrial Area' by the State Government before July 24, 1991, and the project is covered by Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), then installation of such machine will be regulated as per Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951).

(2) No fee shall be levied for furnishing information in the case of sale or disposal.

(3) Responsibility of furnishing the information shall be on both the transferor and the transferee.

PART IV

Miscellaneous :

8(1) The Textile Commissioner, may from time to time issue directions in writing to any manufacturer or class of manufacturers or manufacturers generally, regarding :-

- the classes or specifications of Cotton and Woollen textiles which each manufacturer or class of manufacturers shall or shall not manufacture ;
- the maximum or minimum quantities of Cotton and Woollen textiles which such manufacturer or class of manufacturers shall manufacture during such period as may be specified in the Order ;

- (c) the maximum price ex-factory, wholesale or retail at which any class or specification of cotton and woollen textiles may be sold ; or
- (d) the principles on which and the manner in which such maximum price may be determined by a manufacturer ;

Provided that in issuing any direction under this clause the Textile Commissioner shall have regard to :—

- (i) the demand for Cotton and Woollen textiles ;
- (ii) the needs of the general public ;
- (iii) the special requirement of the industry for such Cotton and Woollen textiles ;
- (iv) the capacity of the manufacturer or class of manufacturers to manufacture of cotton and woollen textiles ; and
- (v) the necessity to make available to the general public of cotton and woollen textiles.

(2) While issuing any direction under sub-clause (1) the Textile Commissioner may also provide that such direction shall be with reference to the quantity of cotton and woollen textiles generally during the period specified in the direction

(3) Where on an application made by any manufacturer or class of manufacturers or otherwise the Textile Commissioner is satisfied that any direction issued by him under this clause causes undue hardship or difficulty to any manufacturer or class of manufacturers he may, by order and for reasons to be recorded in writing direct that the direction shall not apply or shall apply subject to such modifications as may be specified in the Order, to such manufacturer or class of manufacturers.

9 (1) The Textile Commissioner may specify the markings to be made by a manufacturer of cotton and woollen textiles manufactured or sold by him and the time and manner of making such markings.

(2) Every marking specified by the Textile Commissioner under this clause with respect to length, width, count or weight shall be subject to the relevant limits of variations contained in the instructions for the time being in force issued by the Central Government under section 95 of the Trade and Merchandise Marks Act, 1958 (43 of 1958).

(3) Where the markings to be made and the time and manner of markings in respect of any cotton and woollen textiles have been specified under this clause—

- (a) the manufacturer of cotton and woollen textiles shall cause the markings to be made thereon at the time and in the manner specified ;
- (b) no person other than such manufacturer shall cause the markings to be made on any cotton and woollen textiles ;
- (c) no persons other than such manufacturer shall have in his possessions or under his control any cotton and woollen textiles which is not so marked unless it is for bonafide personal requirements ;
- (d) no person shall alter or deface or cause or permit to be altered or defaced any marking made on any cotton and woollen textile held by him otherwise than for his bonafide personal requirements ;
- (e) no person shall make on any cotton and woollen textile any marking resembling the specified markings ;
- (f) no person shall have in his possession or under his control otherwise than for his bonafide personal requirements any cotton and woollen textiles the markings whereon is altered or defaced

(4) Where in pursuance of sub-clause (1), markings are required to be made at one end of any piece of cloth that portion of the piece containing the said marking shall not be cut or separate from the said piece of cloth at anytime till the portion other than the portion containing the said markings is sold

10 (1) The Textile Commissioner may with a view to securing proper distribution of cotton and woollen textiles and with a view to securing compliance with the provisions of this Order, direct any manufacturer or class of manufacturers—

- (a) to sell or deliver specified qualities of cotton and woollen textiles to specified persons ;
- (b) not to sell or deliver cotton and woollen textiles of specified description except to specified persons and subject to such conditions as the textile Commissioner may specify in the direction

(2) Where any direction is issued under sub-clause (1), the manufacturer or class of manufacturers shall comply with such directions

(3) While issuing directions under sub-clause (1) the Textile Commissioner shall have regard to—

- (i) the various categories of persons
- (ii) the availability of cotton and woollen textiles of different descriptions and
- (iii) the requirements of any local area

11 No manufacturer shall sell or offer to sell, any cloth or yarn and other textiles products, at a price higher than the maximum price specified or determined in this behalf under clause 8

12 Every manufacturer of, and every dealer in yarn or cloth or other textiles products shall keep such books of accounts and other records relating to his business and shall furnish such returns or information at such intervals as the Textile Commissioner may require

13 (1) The Textile Commissioner may, with a view to securing compliance with this Order —

- (a) require any person to give such information in his possession with respect to any business carried on or by that or any other person
- (b) require any person, in writing, to furnish samples of any articles to which this Order applies ;
- (c) inspect or cause to be inspected any books or other documents belonging to or under the control of any person ;
- (d) enter and search or authorise any person to enter and search any premises and seize any article in respect of which he has reason to believe that a contravention of this Order has been committed and any other article in the premises which he has reason to believe that such premises has been or is intended to be used in connection with such contravention

(2) Every persons who is required to give any information or furnish samples or produce any books or other documents under sub-clause (1), shall comply with such requisition

(3) The provisions of section 102 and 103 of the Code of Criminal Procedures 1973 (2 of 1973) relating to search and seizure shall apply to searches and seizures under this clause

14 (1) Every manufacturer having a programme for modernisation of his unit shall submit the information about

such programme immediately to the Textile Commissioner as and when such programme is finalised and submit an Information Memorandum as set out in Form 3 appended with this order on completion of programme.

(2) No fee need accompany such an Information Memorandum.

15. Every processor at the commencement of processing activity shall file an Information Memorandum as set out in Form 1 appended with this Order to the Textile Commissioner. No fee need accompany such an Information Memorandum.

16. Every manufacture of machinery at the time of commencement of manufacturing activity shall file an Information Memorandum as set out in Form 1 appended with the Order to the Textile Commissioner. No fee need accompany such an Information Memorandum.

17. Every manufacture of "looms" starting commercial production shall file an Information Memorandum as set out in Form 1 appended with this Order to the Textile Commissioner furnishing the details of the production programme. No fee need accompany such an Information Memorandum.

18. Nothing in clause 15, 16 and 17 shall apply to the activities covered by licences issued under the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (63 of 1951).

19. (1) For the purpose of enforcing the provision of this Order, the Textile Commissioner, may, direct the Officer-in-charge of :

- (i) the laboratories of the Chief Inspectorate of Textiles and Clothing, Kanpur; or
- (ii) the laboratories of the Inspectorate General of Stores, Calcutta, Bombay, New Delhi or Madras; or
- (iii) any of the laboratories established by the Textile Committee constituted under the Textiles Committee Act, 1963 (41 of 1963), to carry out or cause to be carried out such tests relating to any cloth or yarn as may be specified by the Textile Commissioner.

(2) Where any direction is issued under sub-clause (1) the Officer-in-charge of the laboratory shall make a report under his hand to the Textile Commissioner in respect of any tests so carried out and any such report may be used as evidence in any trial for contravention of any of the provisions of this Order.

20. (1) The Textile Commissioner may with a view to maintaining and increasing the supply of either yarn or cloth or both or other textile products, issue directions to any person prohibiting him from dismantling his factory or any part thereof, or removing from his factory any spare part kept for maintaining the machinery of the spare part kept for maintaining the machinery of the factory in order and where such directions are issued, the persons to whom they are issued, shall comply with them.

(2) While issuing directions under sub-clause (1) the Textile Commissioner shall have regard to—

- (i) the supply of cloth and yarn or other Textile products available in the country and the demand therefore;
- (ii) the financial and other resources of the factory;
- (iii) any other relevant circumstances for the purpose of determining whether the dismantling or removal of a factory is likely to be detrimental to the public interest.

Explanation - In this clause, the words—

- (a) "dismantling a factory" means removing from its position the machinery or part of the machinery of the factory, whereby such removal of the factory is rendered wholly or partly useless for its purpose,

but does not include any temporary removal of the machinery or part thereof for the purposes such as adjustment, cleaning and repairs;

(b) "factory" means a factory as defined in clause (m) of section 2 of the Factories Act, 1948 (63 of 1948);

(c) "machinery" has the meaning assigned to that word in clause (j) of Section 2 of the Factories Act, 1948 (63 of 1948).

PART V

PROCEDURE AND PENALTY :

21. (1) The Central Government may, by a general or special order in writing, authorise any officer of the Central Government to exercise all or any powers under this Order.

(2) The State Government may, by a general or special order in writing, authorise any officer of the State Government to exercise all or its powers under this Order.

22. (1) Any officer, authorised to exercise powers delegated to him by the Central Government, shall be subordinate to the Textile Commissioner for the purposes of this Order and an appeal against any of the orders passed by such officer shall be preferred to the Textile Commissioner by an aggrieved person within thirty days of the communication of the order passed by such officer.

(2) Any officer, empowered to exercise powers delegated to him by State Government shall be subordinate to the appellate authority for the purposes of this Order, and appeal against any of the orders passed by the said Officer shall be preferred to the appellate authority by an aggrieved person within thirty days of the communication of the order passed by said officer.

23. Any person aggrieved by an order of the Textile Commissioner or appellate authority made under this Order, may prefer an appeal to the Central Government within thirty days of the date of communication of such order, and the decision of the Central Government thereon shall be final.

24. It shall be competent for the Central Government to issue any orders or directions to the Textile Commissioner or any of the officers exercising any of the powers or performing any of the functions under this Order, on any or all matters and the respective officers shall comply with such orders or directions of the Central Government.

25. No person shall, with intent to evade the provisions of this Order refuse to give any information lawfully demand from him under this Order or conceal, destroy, mutilate or deface any book or other document kept by him in the course of his business.

26. Any court trying contravention of any of provisions of this Order, may direct that any article in respect of which, it is satisfied, that the provisions of this Order have been contravened, shall be forfeited to the Government.

27. Violation of this Order shall be punishable under the provisions of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955).

ORDER

Ordered that the Textile (Development & Regulation) Order, 1992 may be published in the Gazette of India for general information.

Ordered also that the copies of the Textile (Development & Regulation) Order, 1992, may be communicated to all concerned.

[No. 8/26/91-TPC]

P. R. KAUSHIK, Jt. Secy.

Form 1 INFORMATION MEMORANDA

(clause 4, 6, 7, 15, 16 & 17)

1. NAME OF THE APPLICANT 2. FULL ADDRESS OF THE APPLICANT (i) AREA (ii) TEHSIL/TALUK (iii) DISTRICT (iv) STATE (v) PIN CODE 3. NAME OF THE FACTORY 4. ADDRESS OF THE FACTORY (i) AREA (ii) TEHSIL/TALUK (iii) DISTRICT (iv) STATE (v) PIN CODE

5. NAME OF THE PROPRIETOR, PARTNERS OR IN THE CASE OF COMPANIES, THE NAMES OF THE DIRECTORS :

(i) (ii) (iii)

6. WHETHER IT IS A NEW UNIT

1. YES

2. NO

(a) IF NO, DETAILS OF THE EXISTING ACTIVITIES WITH CAPACITY INSTALLED AGAINST EACH

(i) MILL CODE NO. :

(ii) INSTALLED CAPACITY (INCLUDING INSTALLED CAPACITY GIVEN AGAINST ITEM 6(b) (iii) BELOW)

ITEM OF MANUFACTURE
(DESCRIPTION)

UNIT OF CAPACITY

INSTALLED CAPACITY

6. (b) IF YES DETAILS OF THE UNIT

(i) NO. OF SSI REGISTRATION/CIR /ACKNOWLEDGEMENT ALLOTTED BY SIA TO INFORMATION MEMORANDUM FILED (ATTACH COPY)

(ii) DATE

DATE

MONTH

YEAR

(iii) CAPACITY COVERED UNDER SSI/EIR/INFORMATION MEMORANDUM FILED TO SIA DETAILED AT S.No. 6(b)(i) ABOVE

ITEM OF MANUFACTURE DESCRIPTION	UNIT OF CAPACITY	CAPACITY		
		COVERED	INSTALLED	BALANCE
□□□□□□	□□□□□□	□□□□□□□□□□		
□□□□□□	□□□□□□	□□□□	□□□□	□□□□

7. PARTICULARS OF DEMAND DRAFT TOWARDS FEE FOR THIS INFORMATION MEMORANDUM.

AMOUNT RS. □□□□□□

DRAFT No. □□□□□□

DRAFT DATE □□ □□ □□□□
 DATE MONTH YEAR

DRAWN ON _____
(NAME OF THE BANK)

PAYABLE AT □□□□□□□□

8. DETAILS OF INVESTMENT IN FIXED ASSETS ALREADY MADE

(AMOUNT IN THOUSAND OF RUPEES) □□□□□□

- (a) LAND □□□□□
- (b) BUILDING □□□□□□
- (c) PLANT & MACHINERY
- (i) Indigenous □□□□□
- (ii) Imported □□□□□□
- (d) OTHERS □□□□□□
- (e) TOTAL [(a) + (b) + (c) (i) + c(ii) + d] □□□□□□

9. DETAILS OF EMPLOYMENT (ALL FIGURES IN NUMBER)

(i) SUPERVISORY	□□□ MEN	□□□ WOMEN	□□□ TOTAL
(ii) NON-SUPERVISORY			
SKILLED	□□□ MEN	□□□ WOMEN	□□□ TOTAL
UN-SKILLED	□□□ MEN	□□□ WOMEN	□□□ TOTAL

10. Whether it is in foreign Collaboration/Import of drawing and designs if any :

1. Yes.

2. No.

(a) If yes attach the details regarding name of foreign Collaboration, term of Collaboration, equity etc. in separate sheet.

11. Any other relevant information :

I/We hereby declare that this Information Memorandum is filed in accordance with the provisions of the Textiles (Development and Regulation) Order 1992 and the informa-

tions given in this Memorandum are true to the best of my/our knowledge and belief and nothing has been concealed therein.

Place :

(Signature of the applicant)

Date :

Note---Capacity should be given in terms of :

(a) No. of spindles/rotors/looms Knitting/Lace Making machines as the case may be in respect of spinning, weaving and knitting units.

(b) No. of Motors in respect of processing of woven fabric

Form 2

ACKNOWLEDGEMENT

[Clause 4(4)/6(3)/7(6)]

(c) No. of machines and the corresponding position in respect of texturing/twisting and winding.

No.

Dt :

(d) No. of machines and the rated capacity in tons in respect of Top making.

The receipt of your Information Memorandum dated _____ filed in terms of Textiles (Development & Regulation) Order, 1992, on the installation of _____

(e) No. of m/s per annum in respect of textile machinery manufacture.

_____ for the manufacture of _____ located at _____ is hereby acknowledged.

(f) Tons/kgs. in other cases.

(Signature of authorised officer)

INFORMATION MEMORANDA ABOUT PROGRAMME OF MODERNISATION OF THE MILLS

(Clause 14)

1 Mills Code No

2 Name of the Mill

3 Full address of the Mill

(i) Area

(ii) Tehsil/Taluk

(iii) District

(iv) State

(v) Pin Code

4 Amount of loan sanctioned and disbursed by Financial Institutions:

Amount (Rs. in lakhs)

Financial Institution	Sanctioned	Disbursed
(i) IDBI	<input type="text"/>	<input type="text"/>
(ii) IRBI	<input type="text"/>	<input type="text"/>
(iii) ICICI	<input type="text"/>	<input type="text"/>
(iv) Others (specify)	<input type="text"/>	<input type="text"/>
(v) Total	<input type="text"/>	<input type="text"/>

5. Departmentwise amount allocated for purchase or replacement of the Machinery for modernisation of the mill:

Department

Amount (Rs. in lakhs)

A. SPINNING

Blowroom	<input type="text"/>
Carding	<input type="text"/>
Combing	<input type="text"/>
Draw Frame	<input type="text"/>

Department	Amount (Rs. in lakhs)
Speed Frame	□□□□□□
Yarn Spinning	□□□□□□
Doubling	□□□□□□
B. WEAVING	
Cone/cheese winding	□□□□□□
Pirn winding	□□□□□□
Warping	□□□□□□
Sizing	□□□□□□
Loom Shed	□□□□□□
C. WET PROCESSING	□□□□□□
D. ENGINEERING & OTHER SERVICE SECTIONS	□□□□□□

Date

Place

SIGNATURE

